M.A. Hindi

एम0 ए0 हिन्दी

Syllabus

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Duration: Two Years
Eligibility: Graduation

2017 Onwards

DEPARTMENT OF HINDI

CH. DEVI LAL UNIVERSITY

SIRSA

9/10/17

प्रथम सैमेस्टर						
मूल पाठ्यक्रम						
Sr. No.	Core	Paper Name	Credits	Theory	Internal Assessment	Total Marks
1	प्रथम पाठ्यक्रम	भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा	4	70	30	100
2	द्वितीय पाठ्यक्रम	हिन्दी साहित्य का इतिहास	4	70	30	100
3	तृतीय पाठ्यक्रम	आधुनिक गद्य–साहित्य	4	70	30	100
4	चतुर्थ पाठ्यक्रम	आधुनिक हिन्दी काव्य	4	70	30	100
वैकल्पिक पाठ्यक्रम						
5	प्रथम वैकल्पिक पाठ्यक्रम	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	4	70	30	100
6	द्वितीय वैकल्पिक पाठ्यक्रम	जयशंकर प्रसाद	4	70	30	100
7	तृतीय वैकल्पिक पाठ्यक्रम	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'	4	70	30	100

Total credits required: 100 -112 (one credit = I hour)

Minimum attendance required : 75%

Open Elective: minimum credits required: 10-12 (students of this dept. will opt. for open elective from other departments.

Students must submit their option for open elective course(s) within a week after the commencement of classes of first semester to the Chairperson of their department/Principal of the College, For 2^{nd} /3^{rd}/ 4^{th} semester, they must submit their option for open elective course(s) at the end of 1^{st}/2^{nd}/3^{rd} semester, respectively.

The continuous evaluation for theory and practical course shall be as under:

(A) Theory Course Component	Weightage (4 Credits)	Weightage (3 Credits)	Weightage (2Credits)	Evaluation
Mid-term Exam	20	15	10	Internal
Assignment	05	05	05	Internal
Class Attendance	05	05	05	Internal
End-term Exam	70	50	30	External
Total	**100**	**75**	**50**	

Mid Term Examination: From first II units; October1-10 for odd Semesters and March 1-10 for even semester

The students must obtain at least 40 percent marks in external examination.

9/10/17

मूल पाठ्यक्रम

प्रथम

भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा–I

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100

निर्देश :

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएँगें। 2x5=10

2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में से दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

खण्ड–एक

भाषा की परिभाषा, भाषा की प्रवृति, भाषा–व्यवस्था, भाषा–व्यवहार, भाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषाविज्ञान के अध्ययन की शाखाएँ, ध्वनि उत्पत्ति, ध्वनि यंत्र, ध्वनियों के भेद, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण।

खण्ड–दो

वाक्य की परिभाषा, वाक्य के प्रकार, अर्थ से अभिप्राय, शब्द एवं अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं।

खण्ड–तीन

प्राचीन भारतीय लिपियों का इतिहास, देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, देवनागरी लिपि के दोष।

खण्ड–चार

वैदिक एवं लौकिक संस्कृत की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना, पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना, हिन्दी भाषा की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ, ब्रजभाषा की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना, अवधी की ध्वन्यात्मक एवं रूपात्मक संरचना।

इसमें व्याख्या भाग नहीं है।

पुस्तक सूची

1. सामान्य भाषाविज्ञान, लेखक बाबू राम सक्सेना
2. भाषाविज्ञान की भूमिका, लेखक देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. समसामयिक भाषाविज्ञान, लेखक वैश्ना नारंग
4. हिन्दी भाषा का इतिहास, लेखक धीरेन्द्र वर्मा
5. हिन्दी शब्दानुशासन, लेखक पं0 किशोरीदास वाजपेयी
6. हिन्दी भाषा : उद्गम और विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद
7. हिन्दी : उद्भव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
8. देवनागरी लेखन तथा हिन्दी वर्तनी, लक्ष्मीनारायण शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

Jyoti Lhamani
7/10/17

मूल पाठ्यक्रम
द्वितीय
हिन्दी साहित्य का इतिहास

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक
कुल अंक – 100

निर्देश :

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएँगें। 2x5=10

2. इस प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। इस प्रकार कुल चार दीर्घ प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है। 15x4=60

खण्ड–एक

साहित्येतिहास से अभिप्राय, साहित्येतिहास दर्शन, हिन्दी साहित्येतिहास की पूर्वपीठिका एवं परम्परा, हिन्दी साहित्येतिहास के आदिकाल के नामकरण एवं काल–निर्धारण की समस्या, आदिकाल की परिस्थितियाँ एवं प्रवृत्तियाँ

खण्ड–दो

भक्तिकाल के उद्भव एवं विकास के कारण, भक्तिकाल स्वर्णयुग क्यों है? भक्तिकाव्य की चारों धाराओं की प्रवृत्तियाँ, भक्तिकाल की परिस्थितियाँ

खण्ड–तीन

रीतिकाल के नामकरण की समस्या, रीतिकाल की परिस्थितियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन गद्य साहित्य, रीतिकाल के कवियों का आचार्यत्व

खण्ड–चार

आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ, द्विवेदी युगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ, छायावाद की प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद की प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद एवं नयी कविता की प्रवृत्तियाँ, साठोत्तरी काव्य की प्रवृत्तियाँ, हिन्दी नाटक, निबंध, उपन्यास, कहानी, जीवनी एवं आत्मकथा का उद्भव एवं विकास।

इसमें व्याख्या भाग नहीं है।

पुस्तक सूची

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, लेखक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशक नागरीप्रचारिणी सभा, काशी (वाराणसी)
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका, लेखक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, बम्बई
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉ. नगेन्द्र
4. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लेखक डॉ. राम कुमार वर्मा
5. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग एक एवं दो) लेखक आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
6. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप, सुमन राजे, ग्रन्थन् कानपुर
7. स्वातंत्रयोतर हिन्दी साहित्य का इतिहास, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
8. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खण्ड) गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हरिश्चन्द्र वर्मा एवं रामनिवास गुप्त, मंथन पब्लिकेशन, रोहतक

9/10/17

मूल पाठ्यक्रम

तृतीय

आधुनिक गद्य–साहित्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100

निर्देश :

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएँगें। 2x5=10
2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएँगें और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45
3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

गोदान (उपन्यास)– प्रेमचन्द

खण्ड–दो

मैला आँचल (उपन्यास)– फणीश्वरनाथ 'रेणु'

खण्ड–तीन

तेईस हिन्दी कहानियाँ – **जैनेन्द्र कुमार (संपादक) प्रकाशक– लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद (संशोधित रूप)**

खण्ड चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या 5x3=15

पुस्तक सूची

1. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ, शशिभूषण सिंहल, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
2. फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आँचल, गोपाल राय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. समकालीन हिन्दी कहानी, पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
4. उपन्यास का आँचलिक वातायन, रामपत यादव, चिन्ता प्रकाशन, दिल्ली
5. 'मैला आँचल' की रचना–प्रक्रिया, देवेश ठाकुर, वाणी प्रकाशन,, दिल्ली
6. कथाकार अज्ञेय, चन्द्रकान्त पं. बांदिवडेकर, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़
7. हिन्दी कहानी का इतिहास, लालचन्द गुप्त 'मंगल', संजीव प्रकाशन, कुरुक्षेत्र

Dhamani 9/10/17

मूल पाठ्यक्रम
चतुर्थ
आधुनिक हिन्दी काव्य

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100

निर्देश :

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएँगें। 2x5=10

2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएगें और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45

3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

साकेत– मैथिलीशरण गुप्त
(नवम सर्ग, चिरगॉव झॉसी, प्रकाशन) सशोधित रूप

खण्ड–दो

कामायनी– जयशंकर प्रसाद
(चिंता, श्रद्धा, लज्जा व आनन्द सर्ग) संशोधित रूप

खण्ड–तीन

रश्मिरथी– सुमित्रानंदन पन्त
रामधारी सिंह दिनकर (सात सर्ग)
सशोधित रूप

खण्ड चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची

1. साकेत : एक अध्ययन, डॉ0 नगेन्द्र
2. दिनकर : सृजन और चिंतन – डॉ0 रेणु व्यास
3. ' जयशंकर प्रसाद समग्र साहित्य– राजीव आनन्द
4. छायावाद युगीन काव्यः अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
5. प्रसाद और कामायनी, मूल्यांकन का प्रश्न, नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिगं हाऊस, दिल्ली
6. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन, द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
7. सुमित्रानंदन पंत, काव्य कला और जीवन दर्शन, शुचीरानी गुर्ट, आत्माराम एंड संस, दिल्ली
8. काव्य भाषा : रचनात्मक सरोकार, राजमणि शर्मा वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. बीसवीं शताब्दी की हिन्दी कविता, मदन गुलाटी, अनुपम प्रकाशन, करनाल
10. नयी कविता का इतिहास, बैजनाथ सिंहल, संजय प्रकाशन, दिल्ली
11. कविता और संघर्ष चेतना, यश गुलाटी, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली

Dy Dhawani 7/10/17

वैकल्पिक पाठ्यक्रम
प्रथम
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र,

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा – 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100

निर्देश :

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएँगें। 2x5=10

2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएगें और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45

3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र,– बन्दर सभा

खण्ड–दो

अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

खण्ड–तीन

भारतेन्दु ग्रन्थावली (प्रथम खण्ड)– निबंध

खण्ड–चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची –

1. भारतेन्दु ग्रन्थावली
2. काव्य संग्रह बन्दर सभा – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
3. अंधेर नगरी (प्रहसन) – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
4. भारत दुर्दशा (नाटक) – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
5. भारतेन्दु – युग और राष्ट्रीय नवजागरण – मुरली मनोहर प्रसाद सिंह
6. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य, डॉ. विरेन्द्र कुमार
7. भारतेन्दु का गद्य साहित्य : समाजशास्त्रीय अध्ययन, डॉ. कपिलदेव दुबे
8. भारतेन्दु के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन, डॉ. गोपीनाथ तिवारी
9. भारतेन्दु के निबन्ध, डॉ. केसरी नारायण शुक्ल
10. भारतेन्दु युग का नाट्य साहित्य और रंगमंच, डॉ. वासुदेव नन्दन प्रसार।
11. भारतेन्दु साहित्य, डॉ. रामगोपाल चौहान
12. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र साहित्य और जीवन–दर्शन, डॉ. रमेश गुप्त

9/10/17

वैकल्पिक पाठ्यक्रम
द्वितीय
जयशंकर प्रसाद

अध्यापन अवधि – 4 घण्टे

लिखित परीक्षा -- 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन – 30 अंक
कुल अंक – 100

निर्देश :

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएँगें। 2x5=10

2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएगें और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45

3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

आँसू काव्य – जयंशकर प्रसाद

खण्ड–दो

कामना, स्कन्दगुप्त(नाटक) – जयंशकर प्रसाद

खण्ड–तीन

आकाशदीप (कहानी संकलन) – जयंशकर प्रसाद

(लोकभारती प्रकाशन) सशोधित रूप

कंकाल (उपन्यास) – जयंशकर प्रसाद

खण्ड–चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित सप्रसंग व्याख्या

पुस्तक सूची –

1. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता – प्रभाकर श्रोत्रिय
2. जयशंकर प्रसाद काव्य में बिम्ब योजना – रामकृष्ण अग्रवाल
3. प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर, भारती भण्डार, इलाहाबाद
4. कामायनी : एक सह–चिन्तन, वचनदेव, कुमार एवं दिनेश्वर प्रसाद, क्लासिक पब्लिशिंग कम्पनी, दिल्ली
5. कामायनी–अनुशीलन, रामलाल सिंह, इण्डियन प्रैस, लिमिटेड, प्रयाग
6. प्रसाद का साहित्य, प्रभाकर श्रोत्रिय, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली
7. जयशंकर प्रसाद, रमेशचन्द्र शाह, साहित्य अकादमी, दिल्ली
8. प्रसाद का नाट्य साहित्य, परम्परा और प्रयोग, हरिश्चन्द्र प्रकाशन प्रतिष्ठान, मेरठ : प्रथम संस्करण
9. लहर–सौन्दर्य, सत्यवीर सिंह, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली
10. प्रसाद का गद्य–साहित्य, राजमणि शर्मा, आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली

9/10/17

वैकल्पिक पाठ्यक्रम
तृतीय
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

अध्यापन अवधि -- 4 घण्टे

लिखित परीक्षा -- 70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन -- 30 अंक
कुल अंक -- 100

निर्देश :

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम में से पाँच अनिवार्य लघु प्रश्न पूछे जाएँगें। 2x5=10

2. प्रश्न–पत्र के पाठ्यक्रम में कुल चार खण्ड हैं। पहले तीन खण्डों में से दो–दो दीर्घ प्रश्न दिए जाएगें और परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 15x3=45

3. चौथा खण्ड व्याख्यात्मक प्रश्न का होगा। प्रत्येक पुस्तक में से दो–दो व्याख्यात्मक अंश होंगे जिनमें से परीक्षार्थी को एक–एक अंश की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या पाँच अकों की होगी। 5x3=15

खण्ड–एक

राग विराग

खण्ड–दो

साहित्य साधना (भाग–एक, लेखक रामविलास शर्मा)

खण्ड–तीन

कहानी संग्रह – सुकुल की बीवी

खण्ड–चार

तीनों पुस्तकों पर आधारित व्याख्या

पुस्तक सूची –

1. निराला की साहित्य साधना (भाग एक)
2. सुकुल की बीवी (कहानी संग्रह) – निराला
3. राग विराग – निराला (काव्य)
4. निराला का गद्य, सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. निराला का साहित्य और साधना, विष्वम्भरनाथ उपाध्याय, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
6. महाकवि निराला, काव्यकला, डॉ. विष्वम्भरनाथ उपाध्याय, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
7. निराला का अलक्षित अर्थ–गौरव, शशिभूषण शीतांशु, सरस्वती प्रैस, इलाहाबाद
8. निराला का कथा साहित्य, कुसुम वार्ष्णेय, साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद
9. निराला के काव्य में बिम्ब और प्रतीक, वेदव्रत शर्मा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली
10. निराला और उनका तुलसीदास, रामकुमार शर्मा, पद्म बुक कम्पनी, जयपुर

Deepa Sharma 9/10/17